Under CSR Support by ipca | Foundation

ARJUN BATCH

कक्षा-09 | विज्ञान

गति

दूरी एवं विस्थापन

CHAPTER-07 | PART-01

LIVE | 24 AUG | 3 PM



missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. गति
2. गति के प्रकार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आपेक्षिक विस्थापन :- (विस्थापन)

यदि दो वस्तुओं/ पिण्डों / कणों के बीच के दूरी में परिवर्तन (वृद्धि / कमी) हो जाये तो यह कहा जाता कि उनके मध्य आपेक्षिक विस्थापन हुआ और यदि उनके बीच के दूरी में कोई परिवर्तन (वृद्धि/कमी) न हो तो फिर उनके मध्य कोई आपेसिक विस्थापन नहीं हुआ।

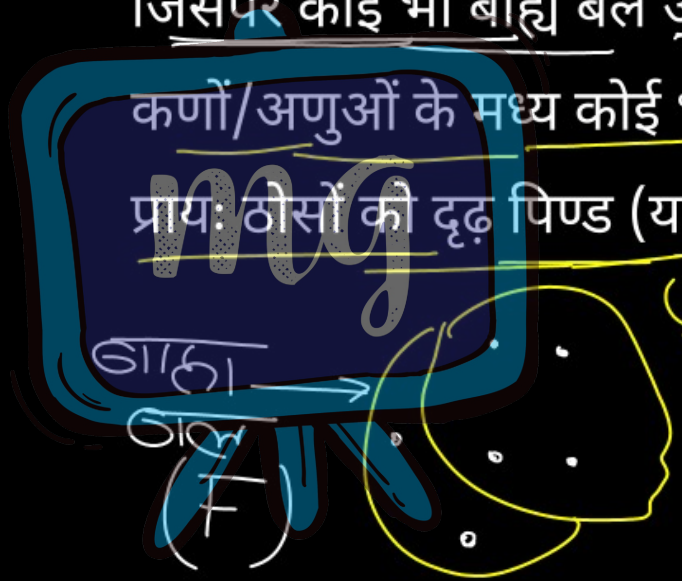
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पिण्ड :- वस्तु

जिसपर कोई भी बाह्य बल आरोपित करने पर, उसके कणों/अणुओं के मध्य कोई भी आपेक्षिक विस्थापन न हो।

प्रायः ठोसों को दृढ़ पिण्ड (या पिण्ड) मानते हैं।



ठोस → पत्थर
↓
बोल्ट
↓
पिण्ड

Under CSR Support by
ipca | Foundation

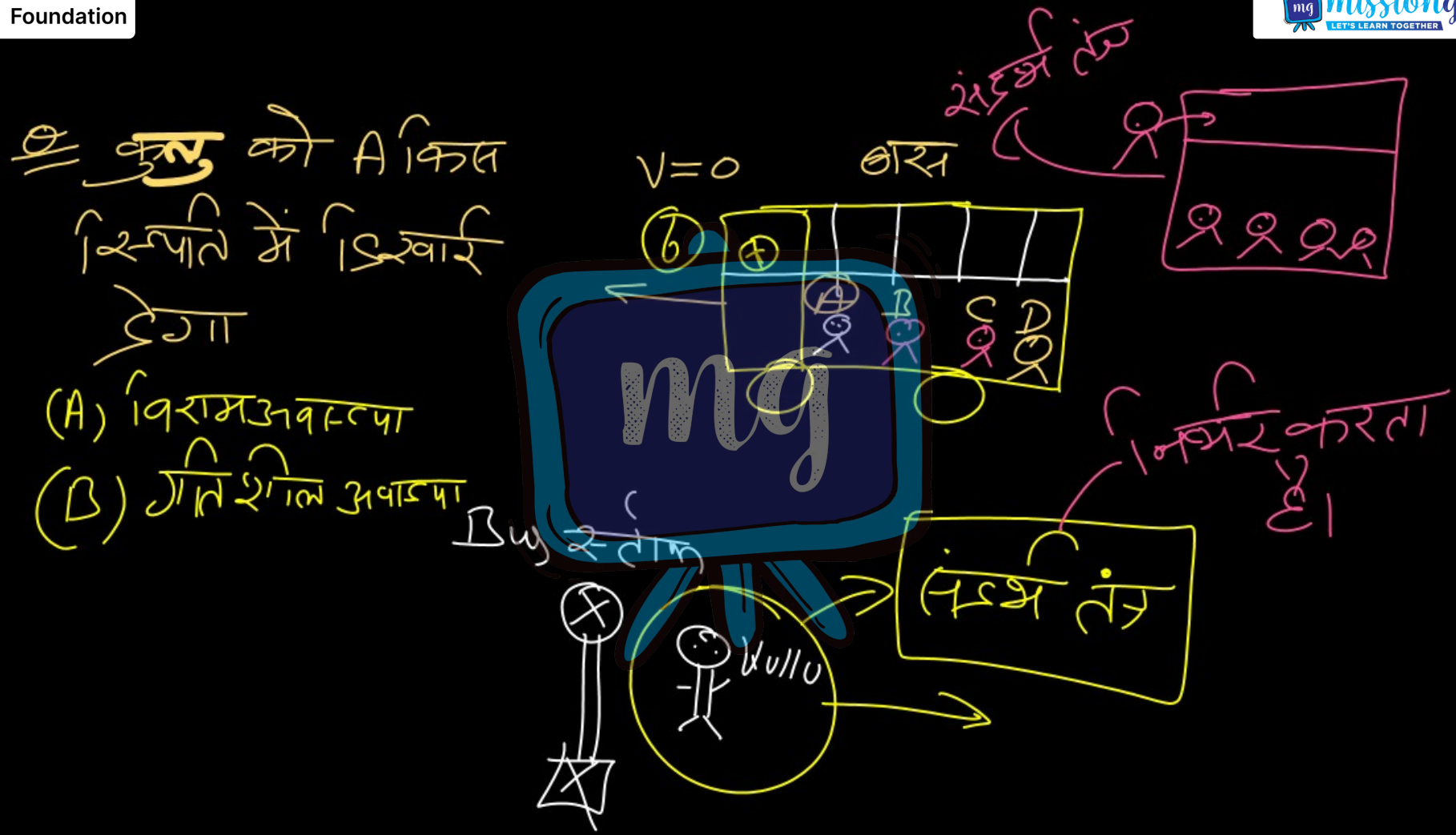
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विरामावस्था	गतिमान अवस्था
यदि समय के सापेक्ष, वस्तु के स्थिति (Position) में कोई परिवर्तन न हो तो यह कहा जाता है कि वस्तु विरामावस्था में है।	यदि समय के सापेक्ष, वस्तु के स्थिति (Position) में निरंतर परिवर्तन हो रहा हो तो यह कहा जाता है कि वस्तु गतिमान अवस्था में हैं।

नोट → वस्तु की स्थिति इस बात पर निर्भर करती है कि आप वस्तु को कहाँ से देख रहे हो।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

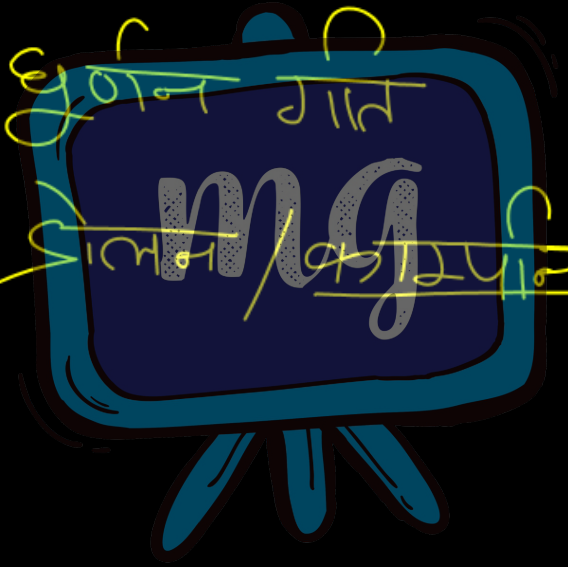


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गति के प्रकार

1. स्थानान्तरीय गति
2. घूर्णन गति
3. दोलन/कंपनिक गति



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थानान्तरीय गति	घूर्णन गति	दोलनी/काम्पनिक गति
स्थानान्तरीय गति यदि कोई पिण्ड इस प्रकार गति करे कि गति के दौरान उसके समस्त कण निश्चित सममान्हाल में निश्चित दिशा में निश्चित विस्थापन तय करें तो उसके गति को स्थानान्तरीय गति कहते है।	यदि कोई पिण्ड किसी निश्चित अक्ष के परित इस प्रकार गति करे कि उसके समस्त कण विभिन्न त्रिज्यानों के बृत्ताकार पथों पर गतियाँ करें एवं उन सभी के वृत्ताकार पथों का केंद्र इसी अस पर हो तो इस प्रकार की गति को घूर्णन गति कहते हैं।	जब कोई पिण्ड किसी निश्चित बिदु के इधर-उधर (To & fro) गति करता है तब उसकी गति को दोलनी / काम्पनिक गति कहते हैं।

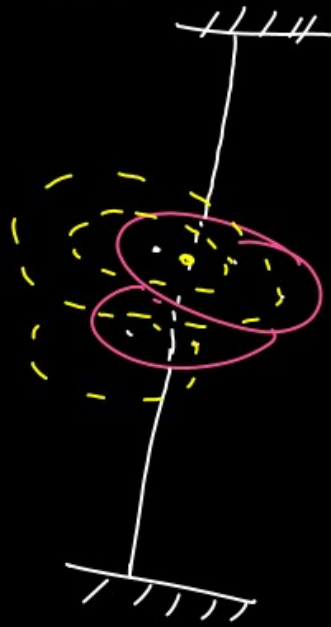
Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्थानान्तरिय गति



घुर्णन गति



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

M.S

① गति कितने प्रकार की होती है।

② निम्न में से कौनसा गति के प्रकार नहीं है।

(A) घूर्णन गति (B) दोलनात्मक गति

(C) दोलन गति (D) सरल रेखा गति